JBS

No. of Printed Pages : 8

2025

सामान्य हिन्दी
GENERAL HINDI

[पूर्णांक : 150
[Maximum Marks : 150

निर्धारित समय : तीन घण्टे]
Time Allowed : Three Hours]

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं ।

1. इसमें 15 उपप्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लिखना अनिवार्य है । प्रत्येक उपप्रश्न की उत्तर-सीमा 20 शब्द हैं । अंक 01

(i) निम्नलिखित में से 'स्वर संधि'का भेद बताइए :

(a) सघोष संधि

(b) गुण संधि

(c) अघोष संधि

(d) विसर्ग संधि

अंक 01

(ii) निम्नलिखित में से 'संधि-विच्छेद'का गलत उदाहरण बताइए :

(a) अतीव = अति + इव

(b) अधखिला = आध + खिला

(c) अनेकानेक = अनेक + अनेक

(d) अधिकांश = अधिक + अंश

अंक 01

(iii) 'प्रत्यय' किसे कहते हैं ?

अंक 01

(iv) निम्नलिखित में से 'द्वंद्व समास' का उदाहरण बताइए :

(a) आजन्म

(b) लोकप्रिय

(c) रात-दिन

(d) रातभर

SamvegIAS

Scanned with OKEN Scanner

(v) निम्नलिखित में से 'भाववाचक संज्ञा' बताइए : अंक 01

(a) गंगा

(b) फल

(c) रोग

(d) दक्षिण

(vi) 'वचन' किसे कहते हैं ? अंक 01

(vii) निम्नलिखित में से 'प्रश्नवाचक सर्वनाम' का वाक्य बताइए : अंक 01

(a) यह मेरी घड़ी है।

(b) जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

(c) किसी को बुलाओ।

(d) वह क्या ला रहा है ?

(viii) निम्नलिखित में से 'संख्यावाचक विशेषण' को छाँटकर लिखिए : अंक 01

दो दर्जन, चतुर्थ, जोड़ा, दस दिन

(ix) निम्नलिखित में से 'अकर्मक क्रिया' का उदाहरण बताइए : अंक 01

(a) रमेश पुस्तक पढ़ रहा है।

(b) हरीश पत्र लिख रहा है।

(c) वह शरद को अपना मित्र मानता है।

(d) राधा लिख रही है।

(x) निम्नलिखित 'कर्तृवाच्य वाक्य' से 'भाववाच्य वाक्य' बनाइए : अंक 01

वह सो नहीं सकती।

(xi) निम्नलिखित में से 'संबंधबोधक अव्यय' का वाक्य बताइए : अंक 01

(a) वह हिंदी या मराठी पढ़ती है।

(b) विद्यालय के सामने शरद खड़ा है।

(c) वह कम बोलता है।

(d) वाह ! क्या भव्य महल है।

(xii) 'विशेषण' किसे कहते हैं ? अंक 01

(xiii) निम्नलिखित 'स्त्रीलिंग संज्ञा' शब्द को 'पुल्लिंग शब्द' में परिवर्तित कीजिए : अंक 01

चींटी

(xiv) निम्नलिखित 'अव्यय शब्द' का वाक्य में प्रयोग कीजिए : अंक 01

धीरे-धीरे

(xv) निम्नलिखित शब्दों में से 'पुल्लिंग शब्द' को छाँटकर लिखिए : अंक 0

आत्मा, वायु, गरिमा, ममत्व

SamvegIAS

Scanned with OKEN Scanner

2. (अ) इसमें 12 उपप्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर देना अनिवार्य है । प्रत्येक उपप्रश्न की उत्तर सीमा 20 शब्द है । **12 अंक**

(i) निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए : **अंक 01**

(क) उद्वर्तन

(ख) धौत्त

(ii) निम्नलिखित शब्दों के तत्सम-रूप लिखिए : **अंक 01**

(क) सास

(ख) दाढ़ी

(iii) 'अर्जुन' शब्द के दो पर्यायवाची बताइए । **अंक 01**

(iv) निम्नलिखित समानार्थी शब्दों के अर्थभेद को बताइए : **अंक 01**

(क) निद्रा

(ख) तंद्रा

(v) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए : **अंक 01**

(क) श्रीगणेश

(ख) स्वार्थी

(vi) 'धर्म' के दो अनेकार्थी शब्द लिखिए । **अंक 01**

(vii) निम्नलिखित समरूप शब्दों का भिन्न अर्थों में प्रयोग कीजिए । **अंक 01**

योगीश्वर – योगेश्वर

(viii) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए : **अंक 01**

(क) कान के नीचे लटका हुआ कोमल भाग

(ख) सूर्योदय के पहले का समय

(ix) 'सरस्वती' इनमें से किसका पर्यायवाची शब्द है ? **अंक 01**

(क) अयोनिजा

(ख) महाश्वेता

(ग) सुन्दरी

(घ) हरिप्रिया

(x) 'हृदय को हरने वाली' के लिए सही शब्द चुनिए । **अंक 01**

(क) हृदयहारिणी

(ख) हृदयहरिणी

(ग) ठगिनी

(घ) प्रेमिका

SanvegIAS

Scanned with OKEN Scanner

(xi) 'अज्ञेय' शब्द का अर्थ है । अंक 01

(क) जो ज्ञात न हो पर जाना जा सके ।

(ख) जो जाना ही न जा सके ।

(ग) जो जानने योग्य न हो ।

(घ) इनमें से कोई नहीं

(xii) 'आकृष्ट' शब्द का विलोम बताइए । अंक 01

(क) अवकृष्ट

(ख) परिशिष्ट

(ग) विकृष्ट

(घ) अपकृष्ट

(ब) इसमें 3 उपप्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर देना अनिवार्य है । प्रत्येक उपप्रश्न की शब्द सीमा 20 शब्द है । 03

(i) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए : अंक 01

(क) अँधेरा

(ख) बन्दना

(ii) निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी वाले शब्द छाँटकर लिखिए : अंक 01

(क) शब्द

(ख) विकृत

(ग) कोण

(घ) हरिण

(iii) निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाले शब्द छाँटकर लिखिए : अंक 01

(क) संग्रहित

(ख) श्रीमति

(ग) बूढा

(घ) पुण्य

3. **निर्देश :** *इसमें 15 उपप्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर देना अनिवार्य है । प्रत्येक उपप्रश्न की शब्द सीमा 20 शब्द है ।*

(i) निम्न वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए : अंक 01

श्याम के सोने पर मैं गया ।

(ii) निम्नलिखित वाक्य को मिश्र वाक्य में परिवर्तित कीजिए : अंक 01

परिश्रम करने वाले लोग सफल होते हैं ।

SamvegIAS

Scanned with OKEN Scanner

(iii) रचना की दृष्टि से यह कौन सा वाक्य है ? अंक 01

जो कमाएगा, वह खाएगा ।

(iv) निम्नलिखित वाक्य को संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए : अंक 01

सूरज के उगने पर कुहासा फट गया ।

(v) निम्नलिखित वाक्य को विस्मयादिबोधक वाक्य में रूपांतरित कीजिए : अंक 01

यह दृश्य बहुत सुन्दर है ।

(vi) निम्नलिखित वाक्य को सकारात्मक वाक्य में बदलिए : अंक 01

मृत्यु से कौन नहीं डरता ?

(vii) निम्न वाक्य को नकारात्मक वाक्य में बदलिए : अंक 01

उसे कौन जानता है ?

(viii) निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न लगाइए : अंक 01

वाह तुम्हारे क्या कहने

(ix) 'योजक चिह्न' एवं 'उद्धरण चिह्न' जैसे विराम चिह्नों के सूचक चिह्न अंकित कीजिए । अंक 01

(x) निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध कीजिए : अंक 01

आज नई शिक्षा नीति के ऊपर चर्चा होगी ।

(xi) निम्न वाक्य में वचन संबंधी अशुद्धियाँ दूर कीजिए : अंक 01

'मेरी घड़ी में अभी तीन बजा है ।'

(xii) निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध कीजिए : अंक 01

विद्या-प्राप्ति विद्यार्थियों का लक्ष्य होना चाहिए ।

(xiii) लिंग संबंधी अशुद्धियों को निम्नलिखित वाक्य से मुक्त कीजिए : अंक 01

अंकों की औसत अच्छी है ।

(xiv) 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रचार-प्रसार के लिए एक स्लोगन लिखिए । अंक 01

(xv) 'जल संरक्षण' पर एक स्लोगन लिखिए । अंक 01

4. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए : (प्रत्येक वाक्य प्रयोग की शब्द-सीमा : 30 शब्द) 10 अंक

(i) डेढ़ बीता कलेजा करना । अंक 02

(ii) देवता कूच कर जाना । अंक 02

(iii) हिन्दी की चिन्दी निकालना । अंक 02

(iv) किस मर्ज की दवा । अंक 02

(v) टाँय-टाँय फिस होना । अंक 02

SanvegIAS

Scanned with OKEN Scanner

5. (अ) अ, ब, स विश्वविद्यालय में स्नातक कक्षा में प्रवेश और छात्रावास आबंटित होने पर अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए। (शब्द सीमा : 100 शब्द) 05 अंक

(ब) सचिव उच्च-शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून की ओर से निदेशक, उच्च-शिक्षा, हल्द्वानी (नैनीताल) के लिए एक शासकीय पत्र लिखिए, जिसमें विनियमित अध्यापकों के वरिष्ठता – निर्धारण के विषय में निर्देशित किया गया हो। (शब्द सीमा : 150 शब्द) 10 अंक

6. (अ) क, ख, ग महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए। (शब्द सीमा : 200 शब्द) 10 अंक

(ब) कृपया निम्नलिखित प्रशासनिक शब्दों/शब्द-युग्मों का अंग्रेजी में अनुवाद उनके सामने लिखें : 10 अंक

(i) परमादेश अंक 01
(ii) आस्ति अंक 01
(iii) निर्वचन अंक 01
(iv) निर्वाहदान अंक 01
(v) तरणयोग्य अंक 01
(vi) आस्थगित अंक 01
(vii) तात्कालिक आवश्यकता अंक 01
(viii) चकबंदी अंक 01
(ix) कक्ष विनिर्देशन अंक 01
(x) आदि प्ररूप अंक 01

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और इसके अन्त में दिए गये प्रश्नों का उत्तर गद्यांश के आधार पर दीजिए : (शब्द सीमा : 30 शब्द) 5×3=15 अंक

किसी देश की संस्कृति का वहाँ के साहित्य से अनिवार्य और घनिष्ठ संबंध होता है। किसी देश की संस्कृति को जानने के लिए वहाँ के साहित्य का पूरा अध्ययन किया जाना अत्यंत आवश्यक है। साहित्य किसी देश या जाति के विकास का चिह्न है। साहित्य से उस जाति के धार्मिक विचारों, सामाजिक संगठन, ऐतिहासिक घटनाचक्र तथा राजनीतिक परिस्थितियों का प्रतिबिम्ब मिल जाता है। भारतीय संस्कृति के मूल आधार हमारे साहित्यिक अमूल्य ग्रन्थ हैं, जिनके विचारों से भारत की आंतरिक एकता का ज्ञान हो जाता है। हमारे देश की बाहरी विविधता भारतीय वाङ्मय के रूप में बहने वाली विचार और संस्कृति की एकता को ढक लेती है। वाङ्मय की आत्मा एक है, पर वह अनेक भाषाओं, रूपों तथा परिस्थितियों में हमारे सामने आती है। भारत की संस्कृति सामासिक संस्कृति है। सामासिक संस्कृति की केन्द्रीय विशेषता है – विविधता में एकता। इसी एकात्मकता के कारण भारतीय संस्कृति अभी तक अक्षुण्ण बनी हुई है।

प्रश्न :

(क) उपर्युक्त गद्यांश का क्या आशय है ?
(ख) 'भारत की आंतरिक एकता' से क्या तात्पर्य है ?
(ग) भारत की संस्कृति को सामासिक संस्कृति क्यों कहा जाता है ?
(घ) 'वाङ्मय की आत्मा एक है'– इस कथन का भावार्थ लिखिए।
(ङ) 'साहित्य किसी देश या जाति के विकास का चिह्न है' – इसका क्या अभिप्राय है ?

SamvegIAS
Scanned with OKEN Scanner

8. निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए : (शब्द सीमा : दिए गए गद्यांश का 1/3) **अंक : 15**

किसी परिमित वर्ग के कल्याण से सम्बन्ध रखने वाले धर्म की अपेक्षा विस्तृत जन समूह के कल्याण से सम्बन्ध रखने वाला धर्म, उच्च कोटि का है। धर्म की उच्चता उसके लक्षण के व्यापकत्व के अनुसार समझी जाती है। गृहधर्म या कुलधर्म से समाजधर्म श्रेष्ठ है, समाजधर्म से लोकधर्म, लोकधर्म से विश्वधर्म, जिसमें धर्म अपने शुद्ध और पूर्ण स्वरूप में दिखाई पड़ता है। यह पूर्ण धर्म अंगी है और शेष धर्म अंग। पूर्ण धर्म जिसका सम्बन्ध अखिल विश्व की स्थिति रक्षा से है, वस्तुतः पूर्ण पुरुष या पुरुषोत्तम में ही रहता है, जिसकी मार्मिक अनुभूति सच्चे भक्तों को ही हुआ करती है, इसी अनुभूति के अनुरूप उनके आचरण का भी उत्तरोत्तर विकास हो जाता है। गृहधर्म पर दृष्टि रखने वाला किसी परिवार की रक्षा देखकर, वर्गधर्म पर दृष्टि रखने वाला किसी वर्ग या समाज की रक्षा देखकर और लोकधर्म पर दृष्टि रखने वाला लोक या समस्त मनुष्य जाति की रक्षा देखकर आनन्द का अनुभव करता है। पूर्ण या शुद्ध धर्म का स्वरूप सच्चे भक्त ही अपने और दूसरों के सामने लाया करते हैं जिनके भगवान् पूर्ण धर्म स्वरूप हैं। अतः ये कीटपतंग से लेकर मनुष्य तक सब प्राणियों की रक्षा देखकर आनन्द प्राप्त करते हैं। विषय की व्यापकता के अनुसार उनका आनन्द भी उच्च कोटि का होता है।

9. निम्नलिखित का भावपल्लव कीजिए :

(i) 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत' (शब्द सीमा : 50 शब्द) **अंक 05**

(ii) 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान' (शब्द सीमा : 50 शब्द) **अंक 05**

10. निम्नलिखित हिन्दी अवतरण का अंग्रेजी में अनुवाद करें : **अंक 10**

सामूहिक कार्य का मतलब है, मिलकर किसी लक्ष्य को हासिल करना, चाहे वो खेल हो, स्कूल का प्रोजेक्ट हो, या घर का कोई काम। जब हम मिलकर काम करते हैं, तो काम आसान और मजेदार हो जाता है। क्रिकेट, फुटबॉल या बास्केटबॉल जैसे खेलों में हर खिलाड़ी की अपनी भूमिका होती है। चाहे कोई खिलाड़ी कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो, वह अकेले मैच नहीं जीत सकता। जब सभी खिलाड़ी एक दूसरे का साथ देते हैं और एकजुट होकर खेलते हैं, तभी टीम जीतती है। स्कूल में सामूहिक परियोजना या सामूहिक गतिविधियाँ हमें यह सिखाती हैं, कि हमें दूसरों की बातें सुननी चाहिए, ज़िम्मेदारियों को बाँटना चाहिए और मिलकर समस्याओं का समाधान करना चाहिए। यहाँ तक कि परिवार और दफ़्तर में भी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि लोग एक दूसरे के साथ कितनी अच्छी तरह से काम करते हैं। सामूहिक कार्य हमें विश्वास करना, तनाव को कम करना व धैर्य रखना सिखाता है।

SamvegIAS

Scanned with OKEN Scanner

अंक 10

11. निम्नलिखित अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

We lived in our ancestral home, which was built in middle of the 19th century. It was a fairly large pucca home, made of limestone and brick situated on Mosque street in Rameshwaram. Despite its age, the house had a quiet dignity about it. There were many memories attached to its rooms, walls and courtyards.

My father Jainulabdeen, was not a man of wealth, but he was rich in wisdom and generosity. He lived a simple life, free from luxury. He used to say that in his time, the money was only spent on food and the rest was given to charity. He believed that every human being is a part of spiritual whole and that it is our duty to help others. His philosophy of life, based on simplicity, honesty and compassion had a lasting influence on me. I learned from him that true wealth lies not in material possession but in serving humanity.

SamvegIAS

Scanned with OKEN Scanner